CONSERVATION AWARENESS PROGRAMME FOR SCHOOL CHILDREN AT SAMATIPUR, BIHAR ON 1ST SEPTEMBER 2018

DETAILED REPORT

Conservation awareness programme was organized on 1st September 2018 for the students of Rajkeeya Alpha Secondary School, Moiuddin Nagar, Samastipur, Bihar. The main objective was to introduce and acquaint the participants about the biodiversity profile of Ganga and conservation issues associated therein. It was attended by over 200 students, 8 teachers, 1 Convener *Namami Gange*, 1 media personnel and one forest official respectively. The workshop was concluded by the screening of the *Namami Gange* anthem. WII team Dr. Deepika Dogra, Mr. Vipul Maurya, Mr. Saurav Gawan and Ms. Monika Mehralu were present during the programme.

PROGRAMME SCHEDULE

Conservation awareness programme for school children at Rajkeeya Alpha Secondary School, Moiuddin Nagar, Samastipur, Bihar on 1st September, 2018		
10:00 – 10:15	Welcome Address	Principal, Rajkeeya Alpha Secondary School
10:15 – 10:45	Project Biodiversity Conservation and Ganga Rejuvenation: An overview	Dr. Deepika Dogra
10:45 – 10:	Turtles of Ganga	Mr. Saurav Gawan
11:45 – 12:15	Interaction	
12:15 – 12:30	Vote of Thanks	Mr. Vipul Maurya

PHOTO GALLERY

MEDIA COVERAGE

डॉल्फिन व कछुआ नदियों की सेहत की हुई पहचान

सेमिनार में मौजूद बच्चे.

प्रतिनिधि ▷ मोहिउद्दीननगर

डॉल्फिन व कछुआ नदियों की सेहत की पहचान है. गंगा की जल की स्वच्छता और गुणवत्ता पानी की सफाई पर निर्भर है. पानी जितना साफ होगा उसमें डॉल्फिन और कछुआ होने की संभावना उतनी अधिक होती है.यह बातें वन्य जीवन संस्थान, देहरादून से आये हुए सौरभ कुमार ने अल्फा मध्य विद्यालय, मोहिउद्दीननगर के सभाकक्ष में नमामि गंगे परियोजना द्वारा आयोजित सेमिनार के संबोधित करते हुए कही. अध्यक्षता एचएम मधुकर कुमार ने की. संचालन शिक्षक श्रवणदेव ने कियाक़ कछुआ विशेषज्ञा डा. दीपिका डोगरा ने कहा कि डॉल्फिन व कछुआ नदी की पारिस्थितिकी तंत्र का पैमाना है.ये खुद पानी को साफ करने में बड़ी भूमिका निभाते है. परियोजना समन्वयक विपुल मौर्या ने कहा कि नदियों में बन रहे सिंचाई परियोजना, औद्योगिक प्रदूषण, कीटनाशक, रसायन व अवैध खनन ने डॉल्फिन व कछुआ जैसे जीवों के अस्तित्व पर संकट ला दिया है. मिस मोनिका ने कहा कि गंगा की अविरलता व निर्मलता के लिए सरकारी परियोजना ही काफी नहीं है. अपितु इसके लिए जन जागरूकता के माध्यम से इन जीवों के संरक्षण का परिणाम बेहतर आ सकता है. विद्यालयी बच्चों को गंगा में वन्यजीव संरक्षण, गंगा सफाई के बारे में वृत्तचित्र के माध्यम से जानकारियां दी गयी.कार्यक्रम का संयोजन नमामि गंगे परियोजना के जिला संयोजक भाई रणधीर के द्वारा किया गया.मौके पर पर्यावरणसेवी सुजीत भगत, डा. सुनील कुमार, वन्यविभाग के जिला समन्वयक सौरभ कुमार समदर्शी नंदकिशोर कापर, रवीन्द्र प्रसाद सिंह, समता कुमारी, भीष्मेन्द्र झा सहित बड़ी संख्या में विद्यालयी बच्चे मौजूद थे.

प्रभात खबर Mon, 03 September 2018
epaper.prabhatkhabar.com/c/31820694